बुधवार
27 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है कान का इन्फेक्शन?

पृष्ठ 5

रवीना टंडन ने किया नई सीरीज कर्मा कॉलिंग का ऐलान

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 312
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

नाव जल में रहे लेकिन जल नाव में नहीं रहना चाहिए, इसी प्रकार साधक जग में रहे लेकिन जग साधक के मन में नहीं रहना चाहिए। – रामकृष्ण परमहंस

दून वैली मेल
सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राजधानी में बाघ ने चार साल के बच्चे को बनाया शिकार

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून में बाघ की दस्तक से पुलिस व वन महकमें में अफरा तफरी फैल गयी। यहां बाघ घर के आंगन से एक चार साल के बच्चे को उठा ले गया। सूचना मिलने पर पुलिस व वन महकमा मौके पर पहुंचा और बच्चे की तलाश शुरू की। जिसका शव देर रात बरामद हो गया है।

यूं तो उत्तराखण्ड राज्य में वन्य जीवों और मानव संघर्ष आम बात है। पहाड़ों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक में आय दिन गुलदार व बाघों के हमलों की खबरें सामने आती रहती है। इस क्रम में बाघ के हमले की खबर राजधानी दून में देर रात सामने आयी है। यहां राजपुर क्षेत्रांतर्गत अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी से थोड़ा आगे सिंगली गांव में आयांश (4) पुत्र अरुण सिंह को बाघ उनके घर के आंगन से उठा ले गया। बाघ द्वारा 4 वर्षीय बालक को उठा कर ले जाने की सूचना मिलन पर एसएसपी देहरादून अजय सिंह द्वारा तत्काल सभी अधिकारियों व थाना प्रभारियों को लगातार कांबिंग कर बालक को तलाशने के निर्देश दिये गये। जिसके बाद पुलिस व वन विभाग की टीमों द्वारा बालक की तलाश हेतु जंगल व आसपास के इलाके में लगातार कांबिंग अभियान चलाया गया। कांबिंग अभियान के दौरान पुलिस व वन विभाग की टीमों को देर रात बालक का शव बरामद हुआ। वहीं राजपुर क्षेत्र में बाघ की दस्तक से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

क्या कानून रोक पायेगा अभिभावकों की उपेक्षा?

विशेष संवाददाता

देहरादून। आजाद खयालों की नई पीढ़ी जिस तरह से अपने माता-पिता की उपेक्षा कर रही है और उन्हें वृद्धाश्रमों में भेज कर अपने उत्तरदायित्वों से पल्ला झाड़ रही है वह एक चिंतनीय स्थिति है। पारिवारिक आदालतों के पास भी इस समस्या का कोई कानूनी समाधान नहीं है। ऐसी स्थिति में बेबस अभिभावकों के पास भी अपने हालात पर आंसू बहाने के अलावा कोई चारा नहीं होता है। देश में अब ऐसी कर्तव्य विमुख औलादों को सबक सिखाने के लिए कानून बनाने पर विमर्श शुरू कर दिया गया है।

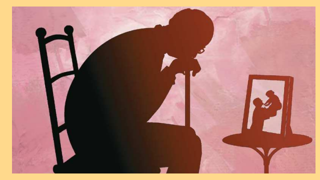

❑वृद्धाश्रम भेजने वाले बच्चों को फोटो के साथ सूचना अखबारों में देने का सुझाव

पाश्चात्य देशों की तरह अब हमारे देश में भी घर के बड़े बुजुर्गों को किसी बेकार और रद्दी सामान की तरह उपेक्षित किए जाने और उन्हें वृद्धाश्रमों में छोड़ने की जो संस्कृति पनप रही है यह मुद्दा अब संसद की चर्चाओं तक जा पहुंचा है। दक्षिण भारत के एक जनप्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल ने चर्चा करते हुए कहा कि यह अत्यंत ही चिंतनीय और सामाजिक मुद्दा है तथा इस पर अंकुश लगाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि परिवार न्यायालय में किसके हिस्से क्या आएगा कौन किसे कितना खाना-खर्च देगा, बस यही सब सुना जाता है। जो माता-पिता अपनी संतान के लिए पूरा जीवन मरते खपते हैं उनके दर्द और दुख पर किसी की नजर नहीं होती है और अंतिम दौर में कोई उनसे बात करने वाला एक नहीं होता है। उन्होंने कानून मंत्री से अनुरोध किया कि वह इस प्रवृत्ति को हतोत्साहित

◄◄ शेष पृष्ठ 7 पर

इजराइल ने भारत में अपने नागरिकों के लिए ट्रेवल एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली। नई दिल्ली में इजराइल दूतावास के बाहर एक संदिग्ध विस्फोट और इजराइली राजदूत को संबोधित करते हुए भेजी गई धमकी भरी चिट्ठी मिलने के कुछ घंटों के बाद इजराइल ने भारत में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इजरायली दूतावास के प्रवक्ता गाइ नीर ने कहा, कि हम पुष्टि कर सकते हैं, कि शाम 5:48 बजे के आसपास दूतावास के नजदीक एक विस्फोट हुआ था। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा टीम अभी भी स्थिति की जांच कर रही है। इजरायली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की मंगलवार को की गई सिफारिशें, जो घटनाओं की पुनरावृत्ति की चिंताओं के बीच आई हैं, विशेष रूप से नई दिल्ली पर लागू होती हैं। ट्रेवल इडवाइजरी के मुताबिक, इजरायली नागरिकों को चेतावनी दी गई है, कि वे भीड़-भाड़ वाले स्थानों (मॉल और बाजार) और पश्चिमी लोगों/यहूदियों और इजरायलियों की सेवा के रूप में पहचाने जाने वाले स्थानों पर जाने से बचें। इजराइली एडवाइजरी में भारत में रहने वाले इजराइली लोगों से सार्वजनिक स्थानों (रेस्तरां, होटल, पब आदि सहित) में सतर्क रहने का भी आग्रह किया गया है। इजराइल की ट्रेवल एडवाइजरी में इजराइली लोगों से ऐसा कोई भी पहचान जारी करने से मना किया गया है, जिससे पता चले, कि वो इजराइली नागरिक हैं। इसके अलावा, ज्यादा संख्या में एक साथ किसी कार्यक्रम में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

'ऐसा लगता है कि मेरा ऑफिस अंतिम परीक्षा में पास हो गया'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में ईसाई समुदाय के साथ क्रिसमस मनाए जाने के बाद बच्चों से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बच्चों से बात करते देखे जा रहे हैं। बाद में पीएम ने बच्चों को पीएम आवास घूमने के लिए भेजा। पीएमओ की टीम ने इन बच्चों को दफ्तर से लेकर अन्य जगहों पर घुमाया और जानकारी दी। इस दौरान बच्चे काफी खुश देखे गए।

पीएम मोदी ने इन बच्चों की यात्रा का वीडियो एक्स पर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, 7 लोक कल्याण मार्ग (प्रधानमंत्री आवास) की यात्रा करने वाले जिज्ञासु यंग माइंड को एक शानदार अनुभव प्राप्त हुआ। ऐसा लगता है कि मेरा कार्यालय अंतिम परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया। बच्चों ने इसे सराह दिया है!

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर को अपने आवास पर क्रिसमस पर एक खास कार्यक्रम आयोजित किया था। अब पीएम ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी बच्चों से घिरे देखे जा रहे हैं। पीएम ने बच्चों से बात की और प्रधानमंत्री आवास देखने के लिए भेजा। अधिकारियों की टीम ने बच्चों को पीएम आवास का भ्रमण कराया। बच्चे मीटिंग हॉल में पहुंचे। उसके बाद कैबिनेट रूम के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान बच्चे काफी मस्ती करते देखे गए। वहां मीटिंग टेबल पर सभी मंत्रियों के नाम लिखे दिखे। बच्चों का कहना था कि पीएम आवास देखकर बहुत खुशी हो रही है। यह हम लोगों के लिए बहुत बड़ा मौका था। हम लोग घूमने के लिए बहुत उत्साहित थे। बच्चों ने अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

दून वैली मेल

संपादकीय

युवाओं को बचाने की अपील

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के युवाओं को नशे से बचाने के लिए लोगों से जनांदोलन चलाने की अपील कर रहे हैं और कह रहे हैं कि युवाओं को ही विकसित भारत की बड़ी तस्वीर बनानी है। मोदी आज ऐसे प्रभावशाली व्यक्तित्व के मालिक बन चुके हैं कि वह जो कुछ भी कह दे भाजपा नेता और कार्यकर्ता उनके स्वर में स्वर मिलाकर छोटी सी छोटी बात को इतना बड़ा देते हैं कि पूरे देश में उसकी गूंज सुनाई देने लगती है। प्रदेश के सीएम धामी भी आजकल नशा मुक्त प्रदेश बनाने में लगे हुए हैं। अभी संसद में हुई घुसपैठ की घटना के पीछे कांग्रेस नेताओं द्वारा बेरोजगारी को एक अहम कारण के रूप में पेश किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के चुनाव में देश को युवाओं का देश बताते हुए कहा था कि पिछली सरकारों ने इन युवाओं की उपेक्षा की है लेकिन वह अब इन युवा बेरोजगारों के हाथों में काम देंगे। दो करोड़ लोगों को हर साल रोजगार देने का वायदा उन्होंने किया था अपने 10 साल के शासनकाल में उन्हें 25 करोड़ युवाओं को रोजगार देना चाहिए था लेकिन वह दो करोड़ को भी रोजगार नहीं दे सके। ऐसे में अगर यह युवा बेरोजगार आत्महत्या नहीं करेंगे या नशे और निराशा के घोर अंधकार में नहीं डूबेंगे तो और क्या होगा? प्रधानमंत्री कहते हैं उन्होंने युवाओं को कौशल विकास दिया है सवा लाख युवाओं का स्टार्टअप उनके सपनों को साकार करेगा। बीते 10 सालों में इस युवा शक्ति को सरकार ने क्या दिशा दी और दिखाई यह एक चिंतनीय मुद्दा है। इस विषय में सिर्फ यही कहा जा सकता है कि सरकारी स्तर पर वैसा कुछ नहीं किया गया जो अपेक्षित था। भाजपा इस समय युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए अभियान चला रही है देहरादून में भारतीय जनता युवा मोर्चा की 'मोदी है न' पदयात्रा इसका एक उदाहरण है। बेरोजगार युवाओं को रोजगार के सवाल पर यह कहकर मजाक उड़ाने वाले कि 'पकोड़िया तलना भी रोजगार है, आज इन पदयात्राओं में युवाओं को दावत दे रहे हैं। काश भाजपा नेताओं ने इन 10 सालों में देश की युवा शक्ति के लिए कुछ किया होता। आज प्रधानमंत्री मोदी से लेकर तमाम राज्यों के भाजपाई मुख्यमंत्रियों द्वारा बेरोजगार मेले लगाये जा रहे हैं तथा कई कई महीनो पहले चयनित युवाओं को सामूहिक कार्यक्रमों में नियुक्ति पत्र बांटने का काम किया जा रहा है शायद इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी होती। भले ही आज युवाओं को नशे से मुक्ति का अभियान चलाया जाए लेकिन सवाल यह है कि युवा पीढ़ी को नशे और निराशा के इस अंधेरे में जाने के पीछे क्या कारण रहा है? राहुल गांधी ने संसद में घुसपैठ की घटना के पीछे का कारण अगर बेरोजगारी को बताया जा रहा है यह वह खुद नहीं कह रहे हैं बल्कि वह युवा ही कह रहे हैं जिन्होंने सरकार को जगाने के लिए यह दुस्साहसिक काम किया है अगर भाजपा का कोई नेता इस सत्य को सुनना नहीं चाहता है तो न सुने यह अलग बात है। जनांदोलन से नशा मुक्त समाज बनाने की बात करने वाले भी जानते हैं कि इस देश का युवा जिसके पास कोई काम नहीं है तथा घर परिवार और समाज से उसे उपेक्षा ही उपेक्षा मिल रही है और जो नशे तथा ड्रग्स के खतरनाक हालात का शिकार हो चुके हैं उसे बचा पाना इतना आसान काम नहीं है ऐसे में युवा या तो अपराध के रास्ते पर जा रहे हैं या फिर आत्महत्या के रास्तों पर। युवाओं की जो शक्ति देश व समाज के विकास में वरदान साबित हो सकती थी वह अब विनाश का कारण बनती जा रही है। जिन्हें बचाने का काम एक कठिन चुनौती बन चुका है। भाजपा अब इन युवाओं के वोट पर नजर गड़ाए हुए हैं जिसके लिए पदयात्राएं हो रही है और उन्हें नशे से मुक्त करने की अपील की जा रही है।

पांच हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। थाना गैरसैण पर पंजीकृत मुकदमें में लम्बे समय से फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी को पुलिस ने पौड़ी गढ़वाल से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार थाना गैरसैण पर पंजीकृत मुकदमें में आरोपी विनोद भंडारी पुत्र सुमन भंडारी निवासी ग्राम नैनी थाना थलीसैंण जिला पौड़ी गढ़वाल वांछित चल रहा था। आरोपी के शातिर प्रवृत्ति का होने के कारण वह लगातार गिरफ्तारी से बच रहा था तथा उसने अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना भी बन्द कर दिया गया था। थाना गैरसैण पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार उसके घर व संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी। पुलिस द्वारा कुशल सुरागरसी-पतारसी करते हुए एवं सुर्विलांस की मदद से देर शाम उक्त आरोपी को जनपद पौडी गढ़वाल से गिरफ्तार किया गया। जिसको आज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पवस्व वाचो अग्रियः सोम चित्राभिरूतिभिः।
अभि विश्वानि काव्या।।

(ऋग्वेद ९-६२-२५)

हे सोम ! आप अनेक प्रकार की विचित्र क्रियाओं से सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करते हो। आप हमारी वाणी को भी पवित्र करें और इसे स्वतंत्र और उत्तम प्रवाह प्रदान करें। विश्व की समस्त कला और साहित्य के आप प्रवर्तक बने।

उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक एवं अर्द्ध सैनिक संगठन का 29वां स्थापना दिवस

सैनिकों के सम्मान व उनके कल्याण के लिए सरकार कृत संकल्पित: जोशी

संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सैनिकों के सम्मान और उनके परिवारजनों के कल्याण के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है।

आज यहां सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अठूरवाला, भानियावाला देहरादून स्थित हिलेरी वाटिका में आयोजित उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक एवं अर्द्ध सैनिक संगठन के 29वां स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग। कार्यक्रम का शुभारंभ सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी सभी पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवार जनों को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवानों के साथ दीपावली मनाते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि नरेंद्र मोदी सरकार सैनिकों के सम्मान ओर उनके आश्रितों के कल्याण के लिए कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पद चिन्हों पर प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सैनिक और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने कहा वीरता चक्र श्रृंखला से अलंकृत सैनिकों और वीर नारियों को उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही है। जिसके लिए मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने सैनिकों या उनके आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि बढ़ाने से लेकर शहीद सैनिकों के आश्रितों को राज्य सरकार के अधीन आने वाली नौकरियों में वरीयता के आधार पर नियुक्ति देने का भी फैसला लिया गया है। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन के अनुरूप राज्य में पांचवें धाम के रूप में देहरादून में एक भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है। मंत्री ने कहा यह सैन्य धाम सभी उन वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह ना करते हुए, तिरंगे की शान एवं राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

उन्होंने कहा प्रदेश के सभी विश्राम गृहों को हाईटेक रूप दिया जा रहा है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कार्यक्रम में वीर नारियों को भी सम्मानित किया। इस अवसर डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला,निदेशक दूने डिफेन्स एकेडमी सन्दीप गुप्ता, केंद्रीय अध्यक्ष आर.एस. भंडारी, कर्नल रघुवीर भंडारी, डी.डी. जोशी, राजेंद्र शाह, कर्नल देवन्द्र, कर्नल वेटरन सुमीत सूद, कर्नल डी०आर ठाकुर,कर्नल कैलाश चन्द्र देवरानी, मेजर पी० सी० पन्त,जिलाध्यक्ष पछुवा दून जसबीर राणा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र नेगी सहित पूर्व सैनिक एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

फेसबुक फ्रेंड ने गिफ्ट भेजने के नाम पर ठगे 9 लाख 30 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। अमेरिका के फेसबुक फ्रेंड ने गिफ्ट भेजने के नाम पर नौ लाख 30 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धार्थ विहार कंडोली निवासी श्रीमती भागीरथी पोखरियाल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि लगभग दो माह पहले डा. टोनी मार्क के नाम, जिसने अपने आपको अमेरिका का निवासी बताया, से उससे एक फेसबुक फ्रेन्ड रिक्वेस्ट आई जिसे उसने स्वीकार कर लिया और उससे फेस बुक पर अच्छी दोस्ती हुई। उसके बाद वह फेस बुक व वाटस ऐप पर बात व चेट करने लगा। जिसके बाद उसने एक दिन उससे कहा कि वह उसको एक गिफ्ट भेज रहा है जो कि दिल्ली ऐयरपोर्ट पर अगले दो से तीन दिन में पहुँच जाएगा। उसके बाद 14 दिसम्बर 2023 को लगभग सुबह 11 बजे फोन आया कि वह इन्द्रा गांधी ऐयर पोर्ट से बोल रहे है। उससे पूछा गया कि क्या वह डा.0 टोनी मार्क को जानते हो, उन्होने उसके नाम पर पार्सल भेजा है। जिसमें बहुत सारा सामान है जिसके लिए उसको कस्टम ड्यूटी के रूपये 25 हजार रूपये चुकाने पड़ेगे तब ही वह उसका पार्सल भेज पाएंगे। उसके द्वारा 25 हजार रूपये भेजे गये। उसके बाद दूसरे मोबाइल नम्बर से 15 दिसम्बर 2023 को कोल आई और उसको उसको 60,000 रुपये और देने को कहा गया। जिसके बाद उससे विभिन्न टैक्स व अन्य कारण बताकर उससे 9 लाख 30 हजार ले लिये। जिसके बाद उनके द्वारा उससे फिर से 9,80,000 रूपये की मांग की गयी तब उसको कुछ शक हुआ और उसने अपने आस पास इधर के लोगो से पता लगाया तो पता चला कि उसक साथ फर्जी फेसबुक फ्रैड बनकर ठगी की गयी है।

वीर बाल दिवस: साहिबजादों के बलिदान की शौर्य गाथा की जानकारी छात्रों को दी

कार्यालय संवाददाता

टिहरी। धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर, टिहरी गढ़वाल के हिंदी एवं पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में खालसा पंथ के संस्थापक और सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों साहिबजादे जोरावर सिंह व फतेह सिंह के बलिदान को सम्मान देने के लिए आज वीर बाल दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल ने धर्म और सत्य के लिए गुरु गोविंद सिंह के योगदान और साहिबजादों के बलिदान की शौर्य गाथा की जानकारी छात्रों को दी है।

पत्रकारिता विभाग की प्रभारी डॉ सूचना सचदेवा ने साहिबजादों का धर्म और नेकी के लिए त्याग की प्रेरणा का स्रोत उनकी दादी मां गुजरी देवी को बताया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ जितेंद्र नौटियाल ने वीर बाल दिवस के साथ-साथ राष्ट्रीय सुशासन दिवस के संबंध में छात्र-छात्राओं से जानकारी साझा की। विदित हो कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिन को राष्ट्रीय सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

डॉ नौटियाल ने साहिबजादों के बलिदान को हिंदुस्तान की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। इस अवसर पर छात्र मनीष, महेश, ज्योति, नीतू,सविता आदि के अलावा कॉलेज प्राध्यापक और कर्मचारी विशेष रूप से मौजूद रहे।

घरेलू उपाय से दूर करें एसिडिटी

पेट में गैस होने की परेशानी एक आम परेशानी है। इसके लिए कई लोग इलाज के लिए डॉक्टरों का रूख करते है। लेकिन पेट में गैस की समस्या को घरेलू नुस्खे और खाद्य पदार्थों से दूर किया जा सकता है।

पेट में गैस को दूर करने के लिए खाने में मूंग, चना, मटर, अरहर, आलू, सेम, चावल, तथा तेज मिर्च मसाले युक्त आहार अधिक मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही जल्दी पचने वाले आहार जैसे सब्जियां, खिचड़ी, चोकर सहित बनी आटें की रोटी, दूध, तोरई, कद्दू, पालक, टिंडा, शलजम, अदरक, आवंला, नींबू आदि का सेवन ज्यादा करना चाहिए।

पेट की गैस से निजात पाने के लिए इन घरेलू नुस्खों को आजमाएं

-रोजाना खाली पेट एक सेब खाने से गैस, कब्ज व एसिडिटी जैसी पेट की समस्याएं दूर हो जाती हैं।

-अदरक पेट की समस्याओं के लिए बेहतरीन औषधि है। इसके नियमित सेवन से गैस, एसिडिटी, भूख न लगना आदि समस्याएं खत्म हो जाती हैं।

-पुदीना में एंटी इंफ्लामेंट्री और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। पेट में दर्द हो तो पुदीने का शर्बत या जूस बनाकर पीने से लाभ होता है। नींबू का सेवन पेट के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

-रोजाना खाली पेट गुनगुने पानी में नींबू निचोड़ कर पीने से कब्ज नहीं होती है।

-पपीता में फाइबर अधिक मात्रा में पाया जाता है। यदि आपको पाचन तंत्र से जुड़ी कोई समस्या हो तो खाने के बाद पपीता का सेवन करें। अजवाइन भी पेट के लिए औषधि का काम करता है। अजवाइन को चबाकर खाएं और उसके बाद एक कप गर्म पानी पी लें, पेट दर्द ठीक हो जाएगा।

- ग्रीन टी बनाकर पीने से गैस की प्रॉब्लम से तुरंत राहत मिलती है।

-हर दिन एक ग्लास दूध पिएं।

-गैस की समस्या से निजात पाने के लिए नारियल पानी पिए।

-गरिष्ठ और मसालेदार भोजन से बचें। (आरएनएस)

गले लगाने के फायदे भी हैं

आजकल कोरोना काल में रिश्तेदार या दोस्तों के साथ आलिंगन यानि गले मिलने से लोग बच रहे हैं जो ठीक भी है। लेकिन अगर आप आलिंगन के लाभ के ऊपर ध्यान देंगे तो आप आश्चर्यचकित हो जायेंगे। इसलिए आप जो भी कर रहे हों उसको किनारे करिये, कोई अपना बनाइये जिसे आप आलिंगन में ले सकें और स्वस्थ जीना शुरू करें। यहाँ पर आलिंगन के 12 लाभ के बारे में बताया गया है:

ह्रदय के लिए अच्छा है किसी व्यक्ति को आलिंगन में लेने से ज्यादातर ठण्ड के समय में आपका शरीर गर्म रहता है। आलिंगन में लेने से आपका ह्रदय एक पल के लिए धड़कना बंद करता है जो कभी कभी फायदा पहुंचाता है क्यूंकि इससे ह्रदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

डर से निजात दिलाता है आलिंगन और स्पर्श कई बार मरने के डर को कम करता है। शोध से पता चलता है कि किसी घनिष्ठ वस्तु को आलिंगन में लेने से एक व्यक्ति अपने अस्तित्व सम्बन्धी डर से मुक्ति पाता है।

रक्तचाप को कम करता है: आलिंगन आपके रक्तचाप को भी नियंत्रण में रखता है। अगर आप उच्च रक्तचाप से ग्रसित हैं तो तुरंत किसी घनिष्ट को आलिंगन में लें। इससे आपको काफी फायदा मिलेगा।

क्या आप अत्यधिक थके हुए हैं? आलिंगन ज़रूरी है आलिंगन में यह माद्दा है कि यह चुटकी में थकान को दूर भगाता है। आलिंगन से दिमाग शांत होता है और आपका ध्यान उस चीज़ से हटता है जिसे लेकर आप परेशान हैं।

आलिंगन में लेने से आपकी सोच सकारात्मक बनती है क्यूंकि आपके दिमाग में सकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। यह आलिंगन का मुख्य मानसिक लाभ है।

आलिंगन झटपट बूस्ट करता है: आलिंगन से आपको झटपट बूस्ट मिल जाता है। यह ऑक्सीटोसिन की मात्रा को बढ़ाता है जिससे अकेलेपन का एहसास दूर होता है।

सही मूड बनाता है: आलिंगन का एक लाभ यह भी है कि यह आपके सेरोटोनिन की मात्रा को बढ़ाता है जो आपके मूड को अच्छा कर देता है और खुशियां लाता है।

दिमाग को शांत रखता है: आलिंगन से दिमाग शांत रहता है। अगर आपको किसी चीज़ की चिंता है तो अपने चाहने वाले या फिर अपने पालतू पशु को आलिंगन में ले लें, आपका दिमाग तुरंत शांत हो जाएगा।

आलिंगन से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं: आलिंगन आपके शरीर की मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। आलिंगन शरीर के तनाव को दूर करता है और यह आपके शरीर के दर्द को भी दूर करता है।

अगर एड़ियां रहेंगी सेहतमंद तो चाल भी होगी दुरुस्त

भागती-दौड़ती जिंदगी के साथ कदमताल करना तभी संभव है, जब आपके पैर पूरी तरह से स्वस्थ हों। आपका बोझ संभालने वाले पैर, खासकर एड़िया विशेष देखभाल की हकदार हैं। सर्दियों में होने वाली एड़ियों की समस्याओं और समाधान के बारे में बता रही हैं ज्योति द्विवेदी

एड़ियां हमारे शरीर का एक ऐसा हिस्सा हैं, जिन्हें लेकर हम सबसे ज्यादा लापरवाही बरतते हैं, खास कर सर्दियों के दौरान। नतीजा यह होता है कि इस मौसम में एड़ियां सख्त हो जाती हैं और कई बार उनमें दर्द भी होता है। उचित सावधानी बरत कर इन सभी समस्याओं से निजात पाई जा सकती है।

पैरों की त्वचा हमारे हाथों की त्वचा के मुकाबले काफी अधिक सख्त होती है। नियमित देखभाल न करने से इसमे गंदगी जम जाती है। लम्बे वक्त तक ऐसा होने पर यह समस्या बढ़ जाती है।

पैरों की त्वचा के डेड सेल्स को हटाना जरूरी होता है। इसके लिए हर दिन नहाते वक्त अपने पैरों को अच्छी तरह धोने के साथ ही उन्हें स्क्रब करने की भी आदत डालें। इससे पैरों की मृत त्वचा निकल जाएगी।

सर्दी में लोग अपने चेहरे और हाथ-पैरों की मॉइस्चराइजिंग पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन एड़ियों को नजरअंदाज कर देते हैं। पैरों के तलवों में कोई ऑयल ग्लैंड्स नहीं होते। यही वजह है कि सर्दियों में अकसर एड़ियां सख्त हो जाती हैं और कई बार उनमें बिवाइयां भी नजर आने लगती हैं। अगर लंबे समय तक एड़ियों के सूखेपन और उनकी बिवाइयों पर ध्यान न दिया जाए तो उनसे खून भी आ सकता है। इससे बचने के लिए नियमित रूप से मॉइस्चराइजिंग करनी चाहिए, ताकि त्वचा सूखने से बची रहे। इसके लिए आप किसी अच्छी पेट्रोलियम जेली का प्रयोग कर सकते हैं। आजकल एड़ियों के लिए खास क्रीम भी बाजार में आ रही हैं।

कहीं न कहीं आपकी चाल भी एड़ियों की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार होती है। चलते समय पैर के एक ही बिन्दु पर लगातार दबाव बनाने की आदत बहुत नुकसानदेह है। पैर के तलवे पर ज्यादा प्रेशर डालने से कॉर्न और कैलस विकसित हो जाते हैं और एड़ियों की त्वचा कड़ी हो जाती है।

हमेशा सही साइज के जूते पहनें। हर दिन एक ही जूता पहनना भी सही नहीं। सही फिटिंग के फुटवेयर्स बदल-बदल कर पहनें।

रात को सोने से पहले कुछ समय एड़ियों की देखभाल करने में बिताना एक अच्छी आदत है। हील स्पर भी एड़ियों की एक प्रमुख समस्या है। इसमें एड़ियों की हड्डी असामान्य रूप से बढ़ जाती है। इसमें कई बार एड़ी की हड्डी के पास स्थित मांसपेशी में भी सूजन आ जाती है। यह समस्या अकसर सर्दियों में बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए आगे, पीछे और किनारों से सही फिट होने वाले फुटवियर पहननें। सोल पसीना सोखने वाला होना चहिए और उससे हील को सहारा भी मिलना चाहिए। हर एक्टिविटी के लिए उपयुक्त फुटवियर पहनें, जैसे दौड़ने के लिए रनिंग शूज और ऑफिस के लिए फॉर्मल शूज।

आकांशा रंजन कपूर संदीप किशन, सीवी कुमार, एके एंटरटेनमेंट्स-मायावन में मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभाने के लिए शामिल हुई

हीरो संदीप किशन, जो क्रिएटिव डायरेक्टर वी आनंद के साथ बहुप्रतीक्षित ऊरु पेरू भैरवकोना की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, बैनर के प्रोडक्शन नंबर 26 के लिए एक बार फिर एके एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर काम करेंगे। सीवी कुमार इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रहे हैं और संदीप के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। किशन, सनसनीखेज हिट प्रोजेक्टजेड/मायावन के बाद। दिलचस्प बात यह है कि प्रोजेक्टजेड/मायावन की दुनिया पर आधारित यह साइंस-फाई एक्शन थ्रिलर उसी की अगली कड़ी है और इसका नाम मायावन एडवेंचर्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड है, जो रामब्रम्हम सुनकारा द्वारा निर्मित इस हाई-बजट फिल्म को प्रस्तुत करता है। किशोर गैरीकिपति (जीके) कार्यकारी निर्माता हैं।

आकांशा रंजन कपूर जिन्होंने धर्मा प्रोडक्शंस की पहली ओटीटी फिल्म गिल्टी से अभिनय की शुरुआत की और बाद में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित एंथोलॉजी श्रृंखला रे और स्ट्रीमिंग श्रृंखला मोनिका ओ माय डार्लिंग का हिस्सा बनीं, जो संदीप किशन के साथ प्रमुख महिला की भूमिका निभाने के लिए बोर्ड पर आई हैं। . मायावन आकांशा रंजन कपूर की पहली फीचर फिल्म है, जिन्होंने पहले ही उपरोक्त सभी ओटीटी कंटेंट के साथ अपनी अभिनय क्षमता साबित कर दी है।

शीर्ष श्रेणी के उत्पादन और तकनीकी मानकों के साथ उच्च बजट पर बनाई गई, यह एक आम आदमी की एक पर्यवेक्षक के साथ झड़प की कहानी है।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं को होता है शराब से ज्यादा नुकसान!

शराब पीना किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं हो सकता है चाहे वह आदमी हो या औरत। लेकिन हालिया रिसर्च में औरतों के शराब पीने को लेकर अजीबोगरीब खुलासा हुआ है। इस रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि लिंग के आधार पर भी शराब का असर पड़ता है। शराब पुरुषों की तुलना में महिलाओं के लिए काफी ज्यादा हानिकारक होती है। नेशनल सेंटर ऑफ डिजिज कंट्रोल (एनसीडीसी) ने भी इस बात की पुष्टि की है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में शराब पीने से काफी ज्यादा खतरनाक असर पड़ता है।

बायोलॉकिल डिफरेंसेस

हार्वर्ड हेल्थ में पब्लिशिंग एक रिपोर्ट के मुताबिक शराब का खतरनाक असर महिलाओं पर ज्यादा पड़ता है। इसके पीछे का कारण यह है कि महिलाओं में आमतौर पर पुरुषों की तुलना में शरीर में फैट काफी ज्यादा होता है। वहीं पानी की मात्रा कम होती है। चूंकि अल्कोहल पानी में आराम से घुल जाता है और इसे पतला करने के लिए महिलाओं के शरीर में पानी की मात्रा कम होती है। पुरुषों के मुकाबले शरीर का वजन जल्दी बढ़ जाता है। ब्लड में अल्कोहल की मात्रा अधिक बढ़ जाती है। इसलिए औरतों को ज्यादा अल्कोहल नहीं पीना चाहिए। क्योंकि महिलाओं को ड्रिंक करते ही तुरंत नशा होने लगता है।

एंजाइमेटिक कारण

महिलाओं को अल्कोहल पचाने में काफी ज्यादा दिक्कत होती है। महिलाओं में शराब धीरे-धीरे पचती है। जिसके कारण शराब उनके सिस्टम में काफी लंबे वक्त तक रहता है। जिसके कारण वह पेट पर गंभीर असर डालता है।

लिवर खराब होने का खतरा बढ़ जाता है

लगातार शराब पीने से लीवर खराब हो सकता है और पुरुषों की तुलना में महिला का लिवर ज्यादा सेंसिटिव होता है। महिलाओं में अल्कोहलिक लिवर की बीमारी अधिक तेजी से फैलती है। यह ज्यादा शराब पीने से होता है। यह महिलाओं को सिरोसिस और शराब से होने वाली खतरनाक नुकसान के कारण होता है।

मासिक धर्म चक्र के दौरान हार्मोनल उतार-चढ़ाव महिलाओं की शराब के प्रति प्रतिक्रिया को प्रभावित कर सकता है। महिलाओं को अपने मासिक धर्म चक्र के कुछ चरणों के दौरान बढ़ी हुई संवेदनशीलता और बढ़ी हुई हानि का अनुभव हो सकता है। महिलाओं के लिए शराब की खपत को नियंत्रित करने के लिए इन हार्मोनल प्रभावों को समझना महत्वपूर्ण है।

ब्रेस्ट कैंसर का खतरा

रिपोर्ट के अनुसार शोध शराब के सेवन और स्तन कैंसर के बढ़ते खतरे के बीच संबंध का सुझाव देता है। जो महिलाएं कम मात्रा में शराब का सेवन करती हैं उनमें स्तन कैंसर होने की संभावना अधिक हो सकती है। यह जोखिम एक चिंताजनक पहलू है जो शराब से संबंधित स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में महिलाओं के बीच जागरूकता की आवश्यकता पर जोर देता है।

मेंटल हेल्थ पर डालता है बुरा असर

महिलाएं शराब के सेवन से जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुझती है, जिनमें अवसाद और चिंता भी शामिल हैं। मानसिक स्वास्थ्य और शराब के सेवन की परस्पर जुड़ी प्रकृति दोनों पहलुओं को व्यापक रूप से संबोधित करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। (आरएनएस)

कांग्रेस का क्राउड-फंडिंग

भाजपा से असहमत लोग विकल्प के तौर पर कांग्रेस को नहीं, बल्कि इंडिया गठबंधन को देख रहे हैँ। ऐसे में इस गठबंधन की तरफ से चंदा उगाहने की मुहिम छेड़ी जाती, तो उसका न सिर्फ प्रतीकात्मक प्रभाव होता, बल्कि कुछ सियासी असर भी हो सकता था।

कांग्रेस ने अब सीधे जनता से चंदा उगाहने का फैसला किया है। आम तौर पर राजनीति में इसे एक बेहतर रास्ता समझा जाता है। इससे पार्टियां थैलीशाहों पर निर्भर होने से बचती हैं, जबकि इस माध्यम से चंदा देने वाले लोगों से उनका जीवंत रिश्ता भी बनता है। इससे चंदा देने वालों के प्रति उनकी एक न्यूनतम जिम्मेदारी बनने की संभावना भी जगती है। दुनिया भर में चुनावी लोकतंत्र पर थैलीशाहों का शिकंजा कस गया है, जिससे ये व्यवस्थाएं धनिक-तंत्र में तब्दील हो गई हैँ। अमेरिका में 2०16 में जब बर्नी सैंडर्स डेमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की होड़ में उतरे, तो उन्होंने छोटे चंदों को अपने अभियान की खास पहचान बताया। उनकी टीम ने तब एलान किया था कि सैंडर्स को लाखों छोटे चंदे मिले और उस रकम का औसत सिर्फ 18 डॉलर था। यह दीगर बात है कि सैंडर्स की व्यापक लोकप्रियता के बावजूद अंततः थैलीशाहों और उनके लॉबिस्ट्स ने उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार नहीं बनने दिया।

बहरहाल, अब भारत में कांग्रेस ने इस मॉडल को अपनाने का फैसला किया है, तो सामान्य स्थितियों इसका स्वागत किया जाता। लेकिन अब आम चुनाव में सिर्फ चार महीने बचे हैँ। इस समय भाजपा से असहमत लोग विकल्प के तौर पर कांग्रेस को नहीं, बल्कि इंडिया गठबंधन को देख रहे हैँ। ऐसे में अगर इस गठबंधन की तरफ से चंदा उगाहने की मुहिम छेड़ी जाती, तो उसका न सिर्फ प्रतीकात्मक प्रभाव होता, बल्कि कुछ सियासी असर भी देखने को मिल सकता था। परंतु कांग्रेस ने फिर अकेला चलने का नजरिया अपनाया है। हाल के विधानसभा चुनावों में यह नजरिया नाकाम रहा। इसके बावजूद लगता नहीं कि कांग्रेस नेतृत्व ने कोई सबक सीखा है। वरना, वह खुद को विपक्षी एकता के हिस्से के रूप में पेश करती। तब वह 19 दिसंबर की इंडिया की बैठक में क्राउड-फंडिंग का प्रस्ताव लाती और सहमति बनने पर यह मुहिम पूरे गठबंधन की तरफ से शुरू की जाती। इससे भाजपा विरोधी समूहों में उत्साह पैदा होता और उनके बीच उद्देश्य की एकता भी उत्पन्न होती। मगर कांग्रेस की सोच अलग है। वह अपने हितों से आगे नहीं देख पाती। (आरएनएस)

अपनी जवाबदेही से मुकरें

यह समझना कठिन है कि संसद में बहस की छोटी-सी मांग पर सरकार ने क्यों जिद्दी रुख अपना लिया है? और क्यों दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी इतने सख्त हो गए कि 14 विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया?

संसद में हुई सुरक्षा चूक पर विपक्ष ने दोनों सदनों में चर्चा और फिर गृह मंत्री के बयान की मांग की है, तो इसे एक सामान्य संसदीय प्रक्रिया कहा जाएगा। आखिर संसद की सुरक्षा का भंग होना कोई छोटा मामला नहीं है। दरअसल, यह समझना कठिन है कि इतनी छोटी-सी मांग पर भी नरेंद्र मोदी सरकार ने क्यों जिद्दी रुख अपना लिया है? और क्यों दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी इतने सख्त हो गए कि 14 विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया? बेशक, ऐसे कुछ पहलू हैं, जिनकी चर्चा से सत्ता पक्ष असहज हो सकता है। मसलन, वर्तमान लोकसभा के कार्यकाल में संसद परिसर की सुरक्षा संबंधी संयुक्त संसदीय समिति का गठन ना होने के तथ्य से सरकार घिरती है। आखिर ऐसी लापरवाही क्यों हुई? इसी तरह चूंकि संसद में गैस कनिस्तर के साथ घुसने वाले नौजवानों का पास एक भाजपा सांसद ने बनवाया था, तो यह भी सत्ता पक्ष को असहज करने वाला तथ्य है। जब जांच टीम ने गिरफ्तार नौजवानों पर यूएपीए लगाने का निर्णय लिया, तो उससे यह मुद्दा और गंभीर हो गया। स्पष्टतः पुलिस मामले को आतंकवादी गतिविधि मान रही है। ऐसे में भाजपा सांसद पर ऐसी गतिविधि में सहायक बनने का इल्जाम स्वाभाविक रूप से लग जाता है। तो यह मांग वाजिब है कि उनसे उसी रूप में पूछताछ होनी चाहिए, जैसे ऐसी गतिविधियों में शामिल होने वाले किसी व्यक्ति से होती है। संभव है कि संसदीय बहस के दौरान देश में पहले से मौजूद इस शिकायत को दोहराया जाए कि भाजपा शासन काल में जुर्म और मुजरिम की परिभाषाएं बदल दी गई हैं- यह इस आधार पर तय होती है कि अपराध किसने और किसके खिलाफ किया है। इसके बावजूद सत्ता पक्ष के लिए उचित होगा कि वह इस मामले में अपनी जवाबदेही से बचने की कोशिश ना करे। बल्कि बहस होने पर दोनों सदनों में उसे ऐसे आरोपों और शिकायतों का जवाब देने का मौका मिलेगा। अगर तथ्य और तर्क उसके पक्ष मे दिखे, तो विवेकशील जनता के मन में मौजूद संदेहों का निवारण होगा। वरना, लोग तो अपनी राय तो बना ही रहे हैँ। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है कान का इन्फेक्शन?

भारत के कई राज्यों में ठंड तेजी से बढ़ रही है। इस मौसम में स्वास्थ्य समस्याएं बढने़ लगती हैं। जिनसे हर उम्र के लोग परेशान हो जाते हैं। इस मौसम में कान से जुड़े संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। कई लोगों के कान के अंदर और बाहर संक्रमण दिखता है। इस मौसम में बैक्टीरिया या वायरस से कान में सूजन भी हो सकती है। डॉक्टरों के अनुसार ठंड के मौसम में कान का संक्रमण होने के कारण कई मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं।

सर्दियों से जुड़ी कई स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा, हाल ही में सभी आयु समूहों में कान के संक्रमण के मामले बढे हैं। ठंड का मौसम बैक्टीरिया और वायरस को बढने़ और आगे की समस्याएं पैदा करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। आमतौर पर बैक्टीरिया या वायरस सूजन से होता है, जो कानों को नुकसान पहुंचा सकता हैं। कान की सूजन का एक कारण ठंड में कमजोर प्रतिरक्षा को माना जाता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार यदि साइनसाइटिस का इलाज नहीं किया जाता है, तो ये कानों के लिए भी मुश्किलें पैदा कर सकता है, क्योंकि कान का संक्रमण नाक और गले के संक्रमण से जुड़ा होता है। सर्दियों के मौसम के दौरान, लोगों को कानों में अत्यधिक सूखापन और एलर्जिक राइनाइटिस के कारण कान में संक्रमण होता हैं। ठंड का मौसम भी कान में दर्द का कारण बनता है। ठंड के महीनों में रक्त संचार कम होने से कान में संक्रमण बढ़ सकता है।

कान का संक्रमण कान में दर्द, चक्कर आना, सिरदर्द, कोमलता, सूजन, असामान्य स्राव और अस्थायी सुनवाई हानि यह कान में संक्रमण होने के लक्षण हैं। खुली जगह में ठंडी हवा के संपर्क में आने पर कान का दर्द गंभीर हो सकता है और इसके लिए जल्द से जल्द इलाज करना जरूरी है। कान में संक्रमण हो तो तुरंत कान की बूंदों का उपयोग करें और उपचार करने वाले डॉक्टर द्वारा सुझाए गए उपचार के तरीके का पालन करें। डॉक्टर की सलाह लेकर एंटीबायोटिक्स, एंटीहिस्टामाइन और दर्द निवारक दवाई का सेवन करें।

जरूरी सलाह

कान के दर्द को कम करने के लिए आइस पैक या गर्म सेक जैसे हीटिंग पैड या नम कपड़े का इस्तेमाल करें। कानों में पानी जमा होने न दे। टोपी, स्कार्फ पहनकर कानों को गर्म रखें। हवा से बचाने के लिए कानों में रुई का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से कान की नलिका में सूजन आ सकती है। अपने हाथों को साबुन और पानी से धोकर कीटाणुओं को दूर रखने की कोशिश करें।(आरएनएस)

दुनियाभर एनिमल ने मचा दिया गदर

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल रणबीर कपूर के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म की शुरुआत इंडियन बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ वर्ल्डवाइड भी जोरदार हुई थी।

रणबीर कपूर-बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना स्टारर एनिमल मुवी ने रिलीज के बाद दुनियाभर में कमाई के मामले में बड़ी-बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। एक्शन से भरपूर इस मूवी ने गदर 2 और पीके जैसी फिल्मों को पछाड़ते हुए कुछ दिनों पहले ही वर्ल्डवाइड 8०० करोड़ के क्लब में एंट्री ली थी।

रणबीर कपूर के लिए साल 2०23 इतना अच्छा जाएगा, इसका अंदाजा तो खुद सांवरिया को भी नहीं होगा। तू झूठी, मैं मक्कार जहां बॉक्स ऑफिस पर अच्छी रही, तो वहीं एनिमल ने तो रणबीर कपूर के करियर का पासा ही पलटकर रख दिया है। 16वें दिन यानी कि शनिवार को जहां एनिमल ने वर्ल्डवाइड टोटल 817.36 करोड़ की कमाई की थी, तो वहीं रविवार का कलेक्शन भी अब सामने आ चुका है, जो एनिमल की टीम द्वारा शेयर किया गया है।

रणबीर कपूर-बॉबी देओल स्टारर फिल्म एनिमल ने रविवार तक 17 दिनों में वर्ल्डवाइड टोटल 835.9 करोड़ की कमाई कर ली है। एक दिन में इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड टोटल 18 करोड़ के आसपास की कमाई की है। अगर ये फिल्म इसी रफ्तार से आगे बढ़ती रही, तो वर्ल्डवाइड जल्द ही ये मूवी 9०० करोड़ के क्लब का हिस्सा बन सकती है। एनिमल अब तक कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ चुकी है।

शब्द सामर्थ्य -042

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

1		■	2	3	4	■	5	6
	■	7				8	■	
9			■	10				
	■		■	■	■	12	■	
■	11		12		■	■	13	
14		■		■	■	15		■
16		■	17	18	19			■
20		21	■	22		■	■	■
	■		■	23				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 41 का हल

ग	ल	त	■	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

बिग बॉस 17 में आयशा खान की वाइल्डकार्ड एंट्री?

सलमान खान के विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 17 में एक बार फिर से वाइल्डकार्ड आने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि आयशा खान इस शो में बतौर वाइल्डकार्ड एंट्री करने वाली हैं। उन्होंने अपना सेगमेंट भी शूट कर लिया है। उनको सेट पर स्पॉट किया गया था।

रियलिटी शो बिग बॉस 17 में अब तक दो वाइल्डकार्ड्स आए हैं। पहले समर्थ जुरैल और दूसरे कोरियन सिंगर ऑरा। अब खबर है कि एक और सदस्य की शो में एंट्री होने जा रही है। उनका नाम आयशा खान है, जो कि एक मॉडल और इन्फ्लुएंसर हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने हाल ही में सुर्खियां बटोरी थी क्योंक उन्हें मुनव्वर फारूका का बिना नाम लिए उन पर निशाना साधा था।

सूत्रों के मुताबिक, आयशा खान को बिग बॉस 17 के सेट पर देखा गया था। वह वहां पर मौजूद थीं। वह अपना सेगमेंट शूट कर रही थीं, जिसका प्रसारण जल्द ही टीवी पर किया जाएगा। इनके पहले, अंजलि अरोड़ा के नाम की चर्चा थी। लेकिन उन्होंने एक पोस्ट के जरिए साफ कर दिया था कि वह इसका हिस्सा नहीं बन रही हैं। अगर बनेंगी तो जरूर बताएंगी। खैर।

आयशा खान का एक इंटरव्यू तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के बारे में बिना नाम लिए उन पर आरोप लगाए थे। उन्होंने बताया था कि जो पहले से ही एक रिश्ते में था, उस कंटेस्टेंट ने उनसे बाहर मिलने के लिए कहा था। इतना ही नहीं, बिग बॉस 17 के कंटेस्टेंट ने ये भी कहा था कि उनका गर्लफ्रेंड के साथ कुछ महीने पहले ही ब्रेकअप हो गया है।

आयशा ने किसी का नाम नहीं लिया था। लेकिन लोगों ने ये अंदाजा लगा लिया था कि वह मुनव्वर के बारे में ही बात कर रही हैं। वीडियो में आयशा ने कहा था कि बिग बॉस 17 कंटेस्टेंट ने उनसे शुरुआत में सोशल मीडिया पर सम्पर्क किया था। और मुझे अपने उस म्यूजिक वीडियो में कास्ट करने की इच्छा जताई थी, जो कभी बना ही नहीं। इसके अलावा, उन्होंने बताया था, जब उनकी दूसरी बार उनसे मुलाकात हुई, तो उन्होंने अपने प्यार का इजहार कर दिया था। और वह खुद भी उनकी अच्छी छवि के कारण उनके प्यार में पड़ गई थीं।

आयशा के मुताबिक, उनको पता था कि बिग बॉस 17 के कंटेस्टेंट पहले से ही रिलेशनशिप में हैं। लेकिन उन्होंने आयशा को ये बात कही थी कि उन्होंने गर्लफ्रेंड से 3-4 महीने पहले ही ब्रेकअप कर लिया था। हालांकि उनके साथ रिश्ते में आने से पहले उन्होंने बिग बॉस 17 कंटेस्टेंट से पूछ लिया था कि क्या उनके जीवन में कोई महिला है, जो इस रिश्ते से बाद में प्रभावित होगी? तो उन्होंने साफ-साफ इनकार किया था।

आयशा ने कहा कि वह किसी को दुख नहीं पहुंचाना चाहती थीं। उन्होंने तो उन्हें बिग बॉस, पर भी ले जाने का वादा किया था। लेकिन जब उन्होंने प्रीमियर पर देखा कि उनकी गर्लफ्रेंड ने साथ में फोटो शेयर की है, तो वह हैरान रह गईं। उन्हें यकीन नहीं हुआ। आयशा ने बताया कि उनकी उसकी गर्लफ्रेंड से बात होती है। साथ ही ये भी बताया कि बिग बॉस 17 के कंटेस्टेंट अपनी गर्लफ्रेंड से हमेशा ये ही करते हैं कि वह उनको छोड?र न जाएं। जब वह शो से बाहर आएंगे तो उनसे शादी करेंगे। आयशा ने उनकी गर्लफ्रेंड की तारीफ की। ये इंटरव्यू का वीडियो वायरल हुआ तो लोगों ने मुनव्वर और नाजिला से जुडऩा शुरू कर दिया।

एनिमल का डटकर मुकाबला कर रही हैं सैम बहादुर

विक्की कौशल की 'सैम बहादुर' एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. वॉर बेस्ड ये फिल्म पहले दिन से ही क्राइम थ्रिलर एनिमल का डटकर मुकाबला कर रही है. कछुए की चाल से चलने के बावजूद 'सैम बहादुर' ने अपना पूरा बजट वसूल लिया है. चलिए यहां जानते हैं 'सैम बहादुर' ने रिलीज के 15वें दिन कितनी कमाई की है?

'सैम बहादुर' टिकट खिड?ी पर एनिमल के तूफान के आगे डटी हुई है और रिलीज के 15 दिनों बाद भी विक्की कौशल की ये फिल्म करोड़ो में कारोबार कर रही है. हालांकि फिल्म धीमी स्पीड से आगे बढ़ रही लेकिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 60 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'सैम बहादुर' का पहले हफ्ते का कलेक्शन 38.8 करोड रुपये रहा था. वहीं दूसरे हफ्ते फिल्म ने 25.8 करोड़ की कमाई की. 'सैम बहादुर' अब रिलीज के तीसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है. इसी के साथ विक्की कौशल की फिल्म की रिलीज के तीसरे शुक्रवार यानी 15वें दिन की कमाई के शुरूआती आंकडे भी आ गए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक 'सैम बहादुर' ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 2.25 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'सैम बहादुर' की 15 दिनों की कुल कमाई अब 66.85 करोड़ रुपये हो गई है.

'सैम बहादुर' ने देश में तो अपना बजट वसूल लिया है वहीं वर्ल्डवाइड भी इस फिल्म ने अच्छा कलेक्शन कर लिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'सैम बहादुर' ने अपनी रिलीज के 14 दिनों में दुनियाभर में 90 करोड़ की कमाई कर ली है. वहीं अब ये फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा छूने की ओर बढ़ रही है देखने वाली बात होगी कि 'सैम बहादुर' इस वीकेंड पर ये माइल स्टोन पार कर पाती है या नहीं।

रवीना टंडन ने किया नई सीरीज कर्मा कॉलिंग का ऐलान

रवीना टंडन का नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी के साथ दिलकश अदाओं से करोड़ों दर्शकों का दिल जीता है।अभिनेत्री को आखिरी बार मिलिंद सोमन के साथ इसी साल आई फिल्म वन फ्राइडे नाइट में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी को काफी पसंद किया गया। अब रवीना ने अपनी नई वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग का ऐलान कर दिया है।इसमें नम्रता शेठ भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह सीरीज अमेरिकी मूल सीरीज रिवेंज पर आधारित है, जो 2011-2015 तक प्रसारित हुई थी।

वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग का दमदार टीजर सामने आ चुका है, जिसमें उनका बेहद अलग अवतार देखने को मिल रहा है।यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर दस्तक देगी। इसका प्रीमियर अगले साल 26 जनवरी को होगा।रवीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कर्मा कॉलिंग का टीजर साझा किया है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, जैसा काम करोगे वैसा ही फल मिलेगा? कर्मा को बुलाने दो, मैं संभाल लूँगी।इसमें वरुण सूद का किरदार भी महत्वपूर्ण होगा।

सीरीज के बारे में बात करते हुए रवीना टंडन ने कहा, इंद्राणी कोठारी का मानना है कि दुनिया उनका मंच है। मैंने बहुत लंबे समय से ऐसा कोई किरदार नहीं निभाया है। कर्मा कॉलिंग निश्चित रूप से जो दिखता है, उससे कहीं अधिक है और यह अमीरों की दुनिया के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करता है। इंद्राणी की भूमिका निभाने से मुझे एक अभिनेत्री के रूप में खुद को और अधिक तलाशने में मदद मिली। यह पहले कभी नहीं देखी गई और पहले कभी नहीं की गई भूमिका है और मैं दर्शकों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार कर रही हूं। रुचि नारायण के साथ सहयोग करना असाधारण रहा है।

निर्देशक रुचि नारायण ने कहा, कर्मा कॉलिंग बेहद अमीर और संपन्न कोठारी परिवार और उनकी दुनिया में उनके इर्द-गिर्द रची गई साजिशों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज में भव्यता और ग्लैमरस दृष्टिकोण है, जिसकी कहानी बदला, धोखे, विश्वासघात को बुनती है और कोठारी परिवार के अनुभवों को भी दर्शाती है। सीरीज निश्चित रूप से आपके लिए आनंददायक होगी और आपको और अधिक देखने के लिए लालायित कर देगी। रवीना टंडन और डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ सहयोग करना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है।

42 की उम्र में शमा सिकंदर की खूबसूरती ने बनाया दिवाना

शमा सिकंदर अपने किसी भी वर्क प्रोजेक्ट से ज्यादा नए और स्टाइलिश लुक्स के कारण अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। शमा ने अपने लंबे एक्टिंग करियर में कई फिल्मों और टीवी सीरियल्स में भी काफी काम किया है। हालांकि, इसके बावजूद अपनी एक्टिंग का खास जादू दर्शकों पर नहीं चला पाई, लेकिन अपनी खूबसूरती और बोल्डनेस के दम पर वह हमेशा ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। अब फिर से शमा का नया लुक वायरल हो रहा है।

शमा भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हो गई हैं। अब लेटेस्ट लुक में शमा खूबसूरत व्हाइट लहंगा पहने हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने डीपनेक ब्लाउज कैरी किया है और साइड दुपट्टा लिया है।

शमा ने अपने इस लुक को हैवी मेकअप किया है। उन्होंने सटल शाइनी बेस के साथ न्यू ग्लॉसी लिप्स रखे हैं और स्मोकी आई मेकअप किया है। हेयर स्टाइल के लिए शमा ने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स का टच देकर ओपन रखा हुआ है। वहीं, एक्ट्रेस ने एक्सेसरीज के लिए भारी चोकर नेकपीस और हैवी ईयररिंग्स कैरी किए हैं। उन्होंने यहां एक हाथ में मैचिंग के बैंगल्स पहने हैं।

शमा इस एथनिक लुक में भी बेहद खूबसूरत और स्टनिंग दिख रही हैं। फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी वायरल होने लगा है। शमा की इतनी स्टाइलिश अदाओं और फिटनेस को देखकर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि एक्ट्रेस 42 साल की हो चुकी हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की इंडियन पुलिस फोर्स का पहला पोस्टर जारी

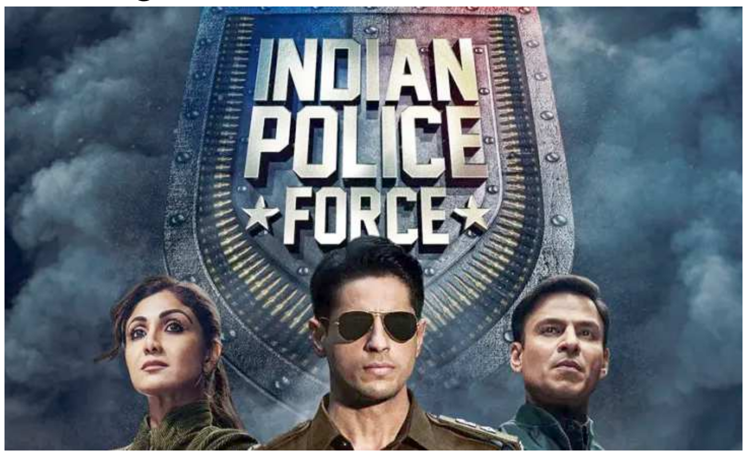

शेरशाह से बॉलीवुड में अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाले एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा भी अब रोहित शेट्टी के कॉप्स वर्ल्ड का हिस्सा बन चुके हैं। वह जल्द ही रोहित शेट्टी की डेब्यू सीरीज द पुलिस फोर्स से ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।

इस कॉप एक्शन ड्रामा से अब तक सिद्धार्थ मल्होत्रा के कई लुक्स सामने आ चुके हैं। इस वेब सीरीज में पहली बार दर्शकों को सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ऑबेराय और शिल्पा शेट्टी की तिकड़ी दिखाई देगी।

एक लंबे समय के बाद रोहित शेट्टी ने आखिरकार इस बात से पर्दा उठा ही दिया कि सिद्धार्थ मल्होत्रा- शिल्पा शेट्टी स्टारर इस वेब सीरीज का टीजर कब दर्शकों के सामने आएगा।

आपको बता दें कि शाहिद कपूर और सैफ अली खान जैसे बड़े-बड़े सितारे पहले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी छाप छोड़ चुके हैं। अब सिद्धार्थ मल्होत्रा भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू कर रहे हैं। इंडियन पुलिस फोर्स के निर्देशक-निर्माता रोहित शेट्टी ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कॉप एक्शन ड्रामा वेब सीरीज का एक नया पोस्टर शेयर किया है।

जिसमें आंखों पर चश्मा लगाए और पुलिस आधिकारिक लुक में सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आ रहे हैं। उनके साथ ही विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी भी पोस्टर में दिखाई दे रहे हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा -शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय स्टारर इंडियन पुलिस फोर्स सीरीज 19 जनवरी 2024 को रिलीज हो रही है। ये वेब सीरीज दुनियाभर में अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी। रोहित शेट्टी के साथ-साथ सुश्वंत प्रकाश भी निर्देशक की कुर्सी इस वेब सीरीज में संभालते हुए नजर आ रहे हैं।

इन तीनों के अलावा एक्ट्रेस ईशा तलवार, विभूति ठाकुर, निकितिन धीर, श्वेता तिवारी और शरद केलकर भी इंडियन पुलिस फोर्स वेब सीरीज का हिस्सा हैं। इस पोस्टर को देखने के बाद अब फैंस सिद्धार्थ मल्होत्रा को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं।

भाजपा के फैसलों पर जाति गणना का असर

अजीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी की कमान वाली भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस की राजनीति का एक बुनियादी फर्क यह है कि भाजपा जमीनी वास्तविकताओं को समझते हुए सोशल इंजीनियरिंग करती है, जबकि कांग्रेस इस मामले में आदर्शवादी बातें ज्यादा करती है, जैसे इन दिनों राहुल गांधी करते फिर रहे हैं। भाजपा को एक बार भी सामाजिक न्याय, आरक्षण या जाति गणना आदि पर बड़ी बड़ी बातें करते नहीं सुना गया, लेकिन जब मौका मिला तो उसने आदिवासी, पिछड़ा, ब्राह्मण, दलित, ठाकुर सबका समीकरण बनाया। यह काम उसने बिना कहे और बिना ढिंढोरा पीटे किया है। अलग अलग सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भाजपा ने कैसे चेहरे चुने यह अलग चर्चा का विषय है लेकिन तीन मुख्यमंत्री, छह उप मुख्यमंत्री और तीन स्पीकर के जरिए भाजपा ने व्यापक रूप से अलग अलग सामाजिक समूहों को मैसेज दिया है।

सोचें, जाति गणना कराई है कि राजद, जदयू और कांग्रेस गठबंधन की बिहार सरकार ने लेकिन उस पर सबसे पहले अमल किया है भाजपा ने। तीनों राज्यों में तमाम नियुक्तियों पर जाति गणना का असर दिख रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां जुबानी जमाखर्च ज्यादा कर रही हैं। बिहार में राजद, जनता दल यू और कांग्रेस की सरकार ने जाति गणना कराई और आबादी के अनुपात मे आरक्षण बढ़ाने का ऐलान भी किया लेकिन सत्ता नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के परिवार के हाथ में ही रहेगी। सवाल है कि जब जाति गणना के आंकड़े से पता चलता है कि सबसे बड़ा आबादी समूह अत्यंत पिछड़ी जातियों का है, जिसकी कुल आबादी में हिस्सेदारी 36 फीसदी है तो उसका व्यक्ति मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनना चाहिए? पिछले 33 साल से यादव और कुर्मी के पास मुख्यमंत्री की कुर्सी है, जिसकी आबादी में साझा हिस्सेदारी 17 फीसदी है।

दूसरी ओर भाजपा ने जाति गणना का एक तरह से विरोध किया है और प्रधानमंत्री मोदी बार बार कह रहे हैं उनके लिए सिर्फ चार जातियां हैं- गरीब, किसान, नौजवान और महिलाएं। जाति गणना नहीं कराने या परोक्ष रूप से उसका विरोध करने के बावजूद भाजपा जाति गणना के आंकड़ों को गंभीरता से ले रही है, जिसका असर उसकी राजनीति पर दिख रहा है। भाजपा ने अपनी राजनीति में पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं की हिस्सेदारी बढ़ानी शुरू कर दी है। वह तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव जीती तो छत्तीसगढ़ में पहला निर्विवादित आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया। आदिवासी बहुल राज्य का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बनाया गया। उनके साथ एक ब्राह्मण और एक पिछड़ी जाति के नेता को उप मुख्यमंत्री बनाया गया। मध्य प्रदेश में भाजपा ने पिछड़ी जाति से आने वाले शिवराज सिंह चौहान को बदला तो मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया। उनके साथ भी एक ब्राहमण और एक दलित समुदाय के नेता को उप मुख्यमंत्री बनाया गया। ऐसे ही राजस्थान में भाजपा ने अपना पहला ब्राह्मण मुख्यमंत्री बनाया तो साथ में एक राजपूत और दलित समाज के नेता को उप मुख्यमंत्री बनाया।

चुनाव में भाजपा ने इस तरह का कोई वादा नहीं किया था या सामाजिक न्याय का मुद्दा लेकर लडने् नहीं उतरी थी। दूसरी ओर कांग्रेस के राहुल गांधी और दूसरे नेता जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे थे। इसका नतीजा यह हुआ कि अगड़ी जातियों में यह मैसेज बना कि कांग्रेस उनकी विरोधी है। दूसरी ओर पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस को लेकर भरोसा नहीं बना कि वह सचमुच उनकी हितैषी है। सो, पार्टी दोनों तरफ से गई। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बड़ी हार इसकी मिसाल है। भाजपा भी पिछड़ी जातियों की राजनीति कर रही है लेकिन यह मैसेज नहीं बनने दे रही है कि वह अगड़ी जातियों की विरोधी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ 35 फीसदी मंत्री पिछड़ी जाति का बनाने का दावा करते हैं तो गरीब सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण का कानून भी बनाते हैं। अब भी तीन राज्यों में ब्राह्मण समाज से एक मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्री बनाए हैं। देश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा राजेंद्र शुक्ला, विजय शर्मा, देवेंद्र फडऩवीस और ब्रजेश पाठक के रूप में चार उप मुख्यमंत्री ब्राह्मण हैं। दो राजपूत मुख्यमंत्रियों- योगी आदित्यनाथ और पुष्कर सिंह धामी के अलावा एक उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी भी हैं। इस तरह भाजपा ने संतुलन बनाने की कला दिखाई है।

लेकिन बुनियादी रूप से वह कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों से पहले से पिछड़े, दलित, आदिवासी की राजनीति कर रही है। झारखंड में भाजपा ने आदिवासी समाज के बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष और दलित समुदाय के अमर बाउरी को नेता प्रतिपक्ष बनाया है। राज्य के दो नेता केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य हैं, जिनमें अर्जुन मुंडा आदिवासी हैं और अन्नपूर्णा देवी पिछड़े वर्ग से आती हैं। बिहार में पिछड़ी जाति के सम्राट चौधरी प्रदेश अध्यक्ष हैं तो अत्यंत पिछड़ी जाति के हरि साहनी विधान परिषद में नेता हैं। बिहार में जरूर भाजपा ने विधानसभा में अगड़ी जाति का नेता प्रतिपक्ष रखा है लेकिन उसका दूसरा कारण है। विजय सिन्हा पहले स्पीकर थे और तब नीतीश कुमार से उनका झगड़ा हुआ था। नीतीश ने सदन के अंदर आसन पर बैठे विजय सिन्हा का अपमान किया था इसलिए अगड़ी जातियों में नीतीश के खिलाफ मैसेज बनवाने के लिए उनको नेता विपक्ष बनाया गया। इसका मतलब है कि जिन राज्यों में जाति और समुदाय का मुद्दा राजनीति को प्रभावित करता है वहां भाजपा जरूर उसके संतुलन का ध्यान रखती है। इसके उलट अगर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों को देखें तो बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में जदयू को छोड़ दें तो बाकी दो पार्टियों का नेतृत्व एक परिवार के हाथ में है और कांग्रेस के तीनों अध्यक्ष अगड़ी जाति के हैं।

भाजपा पहले भी सोशल इंजीनियरिंग का बहुत ख्याल रखती थी। उसने मंदिर आंदोलन के समय गोविंदाचार्य की पहल पर उत्तर प्रदेश में सोशल इंजीनियरिंग की थी। तब यूपी में कल्याण सिंह, विनय कटियार, ओमप्रकाश सिंह जैसे पिछड़ नेता होते थे। इसी राजनीति के तहत मध्य प्रदेश में उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान का प्रयोग हुआ, जिसकी अगली कड़ी मोहन यादव हैं। बिहार में भाजपा यह प्रयोग इसलिए नहीं कर सकी क्योंकि वह नीतीश कुमार की पिछलग्गू थी और नीतीश नहीं चाहते थे कि भाजपा में अगड़ा या अति पछड़ी जातियों का कोई नेता उभरे। इसलिए उन्होंने सुशील मोदी और नंदकिशोर यादव को ही नेता बनाए रखा। तभी बिहार में उसका प्रयोग थोड़ी देर से शुरू हुआ लेकिन बाकी जगह उसने जातियों का बहुत अच्छे तरीके से संतुलन बनाया है। हिंदुत्व के व्यापक संदेश और राष्ट्रवाद के बहुत स्ट्रॉन्ग डोज के साथ साथ भाजपा ने सत्ता में जातियों की भागीदारी का संतुलन भी बना रखा है।

असल में भाजपा को पता है कि संचार साधनों की प्रचूरता के मौजूदा दौर में सिर्फ बातों से काम नहीं चलेगा। जिन लोगों का वोट लेना है उनको सत्ता में हिस्सेदारी देनी होगी और उन्हें भरोसा दिलाना होगा कि उनके राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक हित सुरक्षित हैं। दूसरी ओर लगभग सभी प्रदेशिक पार्टियों के लिए सामाजिक समीकरण का मतलब कुछ चुनिंदा परिवारों के हितों की रक्षा करना है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समस्या यह है कि वे हमेशा एक लाइन पकड़ कर चलते हैं। राजनीति में संतुलन और जिस मध्यमार्ग को साधने की जरुरत होती है उसका प्रशिक्षण उनका नहीं है। दूसरे, वे जो बड़ी बड़ी आदर्शवादी बातें करते हैं उसके हिसाब से उनकी पार्टी का आचरण नहीं होता है। जाति के मामले में भी विरोधाभास सबको दिखाई देता है।

सू- दोकू क्र.042

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.41 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

लोकसभा के उपचुनाव क्यों नहीं कराए गए?

लोकसभा की चार सीटें खाली हैं और चुनाव आयोग ने उन पर उपचुनाव नहीं कराए। क्यों नहीं कराए इसका बहुत अजीब सा जवाब चुनाव आयोग के पास है, जो उसने बॉम्बे हाई कोर्ट में दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे लोकसभा सीट को लेकर चुनाव आयोग पर बहुत सख्त टिप्पणी की है। पुणे की सीट भाजपा के सांसद गिरीश बापट के निधन से खाली हुई थी। बापट का निधन इस साल 29 मार्च को हुआ था। यानी जब उनके निधन से सीट खाली हुई तब उस सीट का कार्यकाल एक साल से ज्यादा बचा हुए था। फिर भी चुनाव आयोग ने उप चुनाव नहीं कराया। अब जबकि लोकसभा चुनाव की घोषणा होने में चार महीने का समय बचा है और लोकसभा का कार्यकाल भी छह महीने से कम का रह गया है तो बॉम्बे हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग को सख्ती के साथ कहा है कि वह पुणे सीट पर जल्दी से जल्दी उपचुनाव कराए।

चुनाव आयोग इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी। सर्वोच्च अदालत से इस मामले में राहत मिल जाएगी और उपचुनाव नहीं कराना होगा लेकिन सवाल तो वहां भी पूछा जाएगा कि जब 29 मार्च को सीट खाली हुई तो उपचुनाव क्यों नहीं कराया गया? क्या वहां भी आयोग का यही तर्क होगा कि उसकी पूरी मशीनरी मार्च 2023 से ही 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में बिजी थी इसलिए उपचुनाव नहीं कराए गए? जस्टिस गौतम एस पटेल और जस्टिस कमल आर खाटा की बेंच ने इस तर्क को अजीबोगरीब माना है और बहुत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि किसी भी क्षेत्र को बिना प्रतिनिधित्व के नहीं छोड़ा जा सकता है। अदालत ने यहां तक कहा है कि यह पूरे संवैधानिक ढांचे को तहस-नहस करने जैसा है कि किसी क्षेत्र को बिना प्रतिनिधि के छोड़ दिया जाए।

सोचें, चुनाव आयोग के इस तर्क पर कि उसकी पूरी मशीनरी एक साल से लोकसभा चुनाव की तैयारियों में बिजी है इसलिए पुणे लोकसभा सीट पर उपचुनाव नहीं कराए गए! पता नहीं अदालत के संज्ञान में यह बात लाई गई या नहीं कि चुनाव आयोग ने पुणे का चुनाव नहीं कराया लेकिन उसके बाद पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए और अनेक राज्यों में उपचुनाव हुए। मई में पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराया। उसके साथ ही ओडिशा, उत्तर प्रदेश और मेघालय में तीन विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव कराया। मई के बाद अगस्त में चुनाव आयोग ने झारखंड, केरल, पश्चिम बंगाल सहित छह राज्यों में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराया। नवंबर में नगालैंड की एक सीट पर उपचुनाव हुआ। क्या तब चुनाव आयोग की मशीनरी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में बिजी नहीं थी? महाराष्ट्र की पुणे सीट के अलावा देश में तीन और लोकसभा की सीटें खाली हैं। भाजपा के रतनलाल कटारिया के निधन से अंबाला सीट और कांग्रेस के बालूभाऊ नारायणराव धनोरकर के निधन से चंद्रपुर सीट खाली है, जबकि अफजल अंसारी को सजा होने की वजह से उत्तर प्रदेश की गाजीपुर सीट खाली है। ये तीनों सीटें मई में खाली हुईं। जहां तक मार्च में खाली हुई पुणे सीट का मामला है तो ऐसा लग रहा है कि किसी राजनीतिक मकसद से वहां चुनाव नहीं कराया गया। वहां के राजनीतिक हालात उथल-पुथल वाले हैं और उस समय तक एनसीपी का अजित पवार गुट टूट कर भाजपा के साथ नहीं गया था और राज्य में भाजपा व शिव सेना के एकनाथ शिंदे की सरकार के लिए पुणे सीट पर लड़ाई मुश्किल थी। तभी सवाल है कि क्या भाजपा की मुश्किल को देखते हुए चुनाव आयोग ने वहां उपचुनाव नहीं कराया?(आरएनएस)

सीएम धामी ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सीएम धामी आज हल्द्वानी पहुंचे जहां पर उन्होंने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शिरकत की। जहां उनका स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। सीएम धामी ने इस अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह के सभी छात्रों को शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। सीएम धामी ने कहा कि वह परीक्षा में सफल छात्रों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वो विश्वविद्यालय में कभी भी एक अतिथि के रूप में नहीं आते बल्कि एक छात्र के रूप में आते हैं। छात्रों के बीच में जाने को मेरे अंदर एक उत्सुकता रहती है।

उन्होने कहा कि उच्च शिक्षा आज उत्तराखंड में एक सेतु का काम कर रही है। उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय को नेक द्वारा बी प्लस की मान्यता मिली। आज मुक्त विवि प्रदेश ही नहीं देशभर में नाम कमा रहा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि आज पूरा विश्व कई क्षेत्रों में आपका इंतजार कर रहा, हमें समय के अनुकूल अपने को बनाना होगा। अगर जीवन में आपके अंदर उत्साह और उमंग होगी तो सफलता अपने आप मिल जाएंगी। उन्होंने कहा कि 1920 से लेकर 1947 तक युवाओं ने स्वतंत्रा संग्राम में भाग लिया ऐसे नायक हमारे लिए प्रेरणा स्रोत बने और हम उनके पग चिन्हों पर चले। सीएम धामी ने कहा कि आप जिस क्षेत्र में जाए उस क्षेत्र के लीडर बने और एक अलग तरह का योगदान दे। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने नई शिक्षा नीति को अपनाया है। सरकार लगातार उच्च शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। विश्व विद्यालय में कर्मकांड जैसे विषय पढ़ाए जा रहे है। सीएम ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास की ओर उन्मुख है। हमारी सरकार राज्य को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने में प्रयासरत है। आने वाला समय उत्तराखंड का है, हम सबको मिलकर कार्य करना होगा।

खनन कारोबारियों ने सीएम के दौरे का किया विरोध, पुलिस से हुई झड़प

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हल्द्वानी दौरे पर थे। इस दौरान गोला खनन कारोबारियों ने सीएम का विरोध किया। खनन कारोबारी मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने जा रहे थे लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें कार्यक्रम स्थल से पहले ही रोक लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आज हल्द्वानी दौरा था। इस दौरान खनन कारोबारियों ने खनन के निजीकरण हटाने की मांग को लेकर सीएम का विरोध किया। खनन कारोबारी सीएम को काले झंडे दिखाने जा रहे थे। लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें कार्यक्रम स्थल से पहले ही रोक लिया। बता दें प्रदर्शन में कारोबारियों के अलावा कांग्रेस के कार्यकर्ता भी मौजूद थे। कारोबारियों ने खनन के निजीकरण और फिटनेस सेंटर को निजी हाथों में देने का विरोध करते हुए प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कारोबारियों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात था।

चोरी की स्कूटी के साथ एक गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमित्रा भवन निवासी अमर सिंह ने मसूरी कोतवाली में अपनी स्कूटी चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आज चोरी की स्कूटी के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम राजन सिंह पुत्र चंद्र सिंह निवासी रंगगांव पटटी छजुला थाना कैंपटी टिहरी गढवाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

क्या कानून रोक पायेगा अभिभावकों...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

करने के लिए कानून लायें तो अच्छा होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि जो बेटा अपने माता या पिता को वृद्धाश्रम छोड़ने जाता है उससे पहले वह स्थानीय अखबारों में अपने फोटो और पते के साथ यह सूचना प्रकाशित कराएगा। उनका कहना है कि ऐसे कर्तव्य विमुख संतानों के बारे में समाज को पता लगना जरूरी है जिससे उनका असली चेहरा लोगों के सामने आ सके। एक सवाल यह भी है कि क्या समाज और परिवारों तथा रिश्तों की अहमियत न समझने वाली संस्कारहीन संतानों को इस तरह के कानून से कोई जलालत महसूस हो सकेगी? और वह सामाजिक बदनामी से डर कर मा व पिता के साथ दुर्व्यवहार करने अथवा उन्हें वृद्धाश्रम भेजने से डरेंगे। दरअसल यह समाज और परिवार जिन मानवीय मूल्यों और संस्कारों से चलता है वह संस्कार और मानवीय मूल्य ही कहीं भौतिकवाद में पीछे छूट गए हैं। लालच और निजी हितों के हावी होने के कारण ही रिश्ते और परिवार दरक रहे हैं। कई बार माता-पिता भी यह गलती कर बैठते हैं कि वह अपने जीते जी यह सोचकर कि जो है वह सब इन बच्चों का ही तो है उन्हें दे देते हैं। उन्हें यह डर तो होता है कि कहीं इस संपत्ति के लिए मेरे बाद लड़ाई झगड़ा न हो लेकिन वह यह नहीं सोच पाते कि जब वह खाली हाथ होंगे तो उनकी क्या दुर्दशा हो सकती है।

पंचायती राज विभाग का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता

मुनस्यारी। क्षेत्र पंचायत सदस्यों, विकासखंड स्तरीय अधिकारियों व कार्मियों के प्रशिक्षण के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ।

आज यहां पंचायती राज विभाग उत्तराखंड द्वारा आयोजित क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा विकासखंड स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हो गया है। प्रशिक्षण का उद्घाटन क्षेत्र प्रमुख भावना देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि चीन सीमा से लगी पंचायतों को सशक्त होकर राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आज से ही शुरुआत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायत में नवाचार बढ़ाने के लिए क्षेत्र पंचायत विकास योजना को नयापन देना होगा। इधर न्याय पंचायत लीलम में तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है। विकासखंड सभागार में आयोजित प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए क्षेत्र प्रमुख ने कहा कि सतत विकास के 9 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें क्षेत्र पंचायत विकास योजना बनाने के लिए होमवर्क करना चाहिए। उन्होंने रेखीय विभाग के अधिकारियों से भी कहा कि वे जब गांव में जाते है, तो देखें की हम क्या नया कर सकते है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए पंचायत में पारित योजनाओं को ही रेखीय विभागों को स्वीकार करना चाहिए। पंचायत से बाहर की योजनाओं को प्लान में लाने से विकास की गति दिग्भ्रमित जैसी हो रही है। पंचायती राज विभाग द्वारा क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा विकास खंड स्तरीय है एक ही विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों को क्षमता विकास हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का संचालन सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया पिथौरागढ़ द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षणदाता संस्था के अध्यक्ष जगत मर्तोलिया द्वारा क्षेत्र प्रमुख भावना देवी को प्रतीक चिन्ह देकर उनका स्वागत किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में 2030 तक इन नौ लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर 17 विकास की लक्ष्य तय किए गए थे। जिन्हें अंगीकृत करने के लिए 169 उद्देश्य अंकित किए गए है। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपा देवी, नीमा देवी, मालती देवी, सुरेंद्र सिंह बृजवाल, योगेश भाकुनी, केदार वर्मा, कल्लू सुमत्याल,प्रभारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत नीलम कोरंगा, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी गीता पिमोली आदि मौजूद रहे। प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर केदार बिष्ट ने किया।

महिला की अश्लील फोटो एडिट कर की रुपयों की मांग, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। अश्लील फोटो पर महिला का चेहरा लगाकर उसको बदनाम करने की धमकी देकर रूपयों की मांग करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनारवाला निवासी महिला ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एक दिसम्बर को उसके द्वारा अपने मोबाईल पर टॉप मनी मैनेजर डाउनलोड किया गया था। जिस पर उसके एसबीआई बैंक एकाउण्ट में 3540 रूपये प्राप्त हुए थे। उसके द्वारा इस लोन को समाप्त करते हुए अपने मोबाईल नम्बर पर विभिन्न मोबाईल नम्बरों से कॉल प्राप्त होने पर 6 दिसम्बर 2023 को लोन किस्त का समय पूरा होने से पूर्व ही 6 हजार रूपये जमा किये गये जो उसने फोन-पे व पेटीएम का इस्तेमाल कर यूपीआई आईडी में जमा किये है। इसके बाद भी और अधिक पैसा जमा करने की मॉग करते हुए उसके मोबाईल पर अन्य मोबाईल नम्बरों से व्हट्सएप कॉल व मैसेज प्राप्त होने शुरू हो गये हैं, जिन्होने अपना परिचय देते हुए बताया कि वह टॉप मनी मैनेजर से बोल रहे है और आपने लोन लिया था, जिसको अभी तक उसने जमा नहीं किया है और उससे और भी अधिक पैसों की मॉग कर रहे हैं। पैसा जमा ना करने पर उसको उसकी फोटो को अश्लील फोटो के साथ एडिट कर उसके परिचितों को भेजने की धमकी दे रहे थे। उसकी मौसी ने उसको बताया कि उनके व्हट्सएप्प पर एक मैसजे प्राप्त हुआ है जिसमें उसकी अश्लील फोटो लगी है, जिससे उसको सामाजिक व मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फोटो को देखकर उसको यकीन हुआ किसी साईबर ठग ने उसके द्वारा एप्प में जमा किये गये आधार कार्ड व पैन कार्ड के अतिरिक्त जो सेल्फी ली गई थी उसका दुरुपयोग कर अश्लील फोटो पर उसका चहरा लगा कर उसके परिचितों व रिश्तेदारों को उस पर और अधिक पैसा जमा करने का दवाब बनाने के लिये मैसेज भेज जा रहें है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भारतीय किसान यूनियन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने संजय चोपडा

संवाददाता

हरिद्वार। नवगठित भारतीय किसान यूनियन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय चोपडा व महामंत्री डॉ. अनिल शर्मा को बनाया गया।

आज यहां न्यू कृषि उत्पादन मंडी समिति सराय रोड के प्रांगण में किसानों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ किसान नेता पूर्व एसडीओ घनश्याम ने की, संचालन मनोज कुमार ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से भारतीय किसान यूनियन भारत का गठन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा, राष्ट्रीय महासचिव प्रवक्ता डॉ. अनिल शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष. प्रवीण शर्मा, सचिव जयपाल सिंह, कोषाध्यक्ष विक्रम आहूजा, सलाहकार नरेश कुमार शर्मा, सदस्य प्रभात चौधरी, निर्माण पाल, हर्ष अरोड़ा, वेदपाल सिंह, संजय सैनी, सुरेंद्र शर्मा, चंदन रावत, तस्लीम अहमद, शावन मंसूरी, कुंवर सिंह मंडवाल को सर्वसम्मति से चुना गया।

इस अवसर पर नवनियुक्त भारतीय किसान यूनियन (भारत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा शीघ्र ही छोटे लघु किसानों को संगठित कर किसानें की न्याय संगत मांगों के लिए संघर्ष किए जाएंगे। उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य में भी भारत सरकार राज्य सरकार की कृषक जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वन के लिए राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान जैसी संस्थाएं स्थापित की जानी चाहिए ताकि किसानों को पक्षीकरण के साथ योजनाओं की जानकारी सरकार के संरक्षण में दी जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात राज्य की तर्ज पर पूरे भारतवर्ष के राज्यों में न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू भारत सरकार द्वारा किया जाना चाहिए।

भारतीय किसान यूनियन भारत की बैठक में रणवीर सिंह, जय भगवान, कामिल हसन, राजपाल सिंह, हरिप्रसाद बिष्ट, श्याम सुंदर रतूड़ी, भोला यादव आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

राहुल गांधी ने खाई चूल्हे पर बनी बाजरे की रोटी और सरसों का साग

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले राहुल गांधी काफी एक्टिव हो गए हैं। आज सुबह राहुल गांधी कुश्ती संघ और पहलवानों के विवाद को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे रेसलर्स से मिले। राहुल गांधी बहादुरगढ़ के छारा गांव स्थित लाल दीवान चंद आधुनिक कुश्ती एवं योग केंद्र में पहुंचे। राहुल गांधी अखाड़े में करीब ढाई घंटे रुके। इस दौरान कोई भी कांग्रेसी नेता या कार्यकर्ता अखाड़े में नहीं था। राहुल गांधी ने पहलवानों के डेली रूटीन के बारे में जानकारी ली। पहलवान कहां रहते हैं, कैसे प्रैक्टिस करते हैं और क्या खाते पीते हैं, सब कुछ उन्होंने नजदीक से देखा। यहां उन्होंने कुश्ती संघ विवाद पर भी खिलाड़ियों से चर्चा की। अखाड़े के कुक ने राहुल गांधी को देशी घी लगी बाजरे की रोटी और सरसों का साग परोसा, जिसे उन्होंने बड़े चाव से खाया। बजरंग पुनिया ने कहा कि राहुल गांधी पहलवानों का रूटीन देखने आए थे। इसे सियासत से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। राहुल ने बजरंग पुनिया के साथ कई पहलवानों से हाथ मिलाया। उन पहलवानों के साथ मेट पर काफी वक्त बिताया। अखाड़े के संचालक एवं पहलवान बजरंग पूनिया और दीपक पूनिया के कोच आर्य वीरेंद्र दलाल ने बताया कि राहुल गांधी अचानक से उनके अखाड़े में आए तो पहलवान उन्हें देखकर बहुत खुश हुए।

असम में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। असम के तेजपुर में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार भूकंप के झटके असम के तेजपुर में सुबह 5.53 बजे महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.4 दर्ज की गई है। हालांकि इस भूकंप के झटकों से किसी भी तरह के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। बता दें कि इससे पहले 7 दिसंबर को भी असम में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। असम के गुवाहाटी शहर में भूकंप के झटके सुबह 5.42 बजे महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता 3.5 मापी गई थी। गौर करने वाली बात है कि धरती की सतह के नीचे कई प्लेट्स होती हैं, जिन्हे टैक्टोनिक प्लेट कहते हैं, ये हमेशा मूव करती रहती हैं, ऐसे में जब ये प्लेट्स एक दूसरे से टकराती हैं तो धरती की सतह के ऊपर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। ये प्लेट्स धरती की सतह से तकरीबन 30-50 किलोमीटर नीचे हैं।

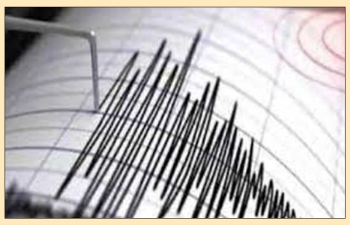

पत्नी और दो बेटियों को जहर देकर खुद भी खाया जहर!

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई जामुल थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के चार लोगों ने जहर खा लिया। इससे पिता और बेटी की मौत हो गई। वहीं पत्नी और एक बेटी की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों को भिलाई के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 04 लक्ष्मीपारा जामुल निवासी 40 वर्षीय हेमलाल वर्मा भिलाई नगर निगम अंतर्गत कोहका में पंप ऑपरेटर है। हेमलाल के घर में नीचे के फ्लोर पर उसके माता पिता और ऊपर हेमलाल अपनी पत्नी 38 वर्षीय जाह्नवी और 14 वर्षीय प्रिया, 11 साल की मुस्कान और 7 साल की रितिका के साथ रह रहा था। हेमलाल रोज की तरह घर से ड्यूटी के लिए निकला था। सोमवार रात 9 बजे वह घर वापस आ गया। हेमलाल ने पत्नी से कहा कि उसे किसी बाबा ने प्रसाद दिया है। इसे खा लो तो भविष्य में उन्हें कोरोना या अन्य कोई बीमारी नहीं होगी। पत्नी ने प्रसाद खाने से मना किया तो उसने उसे जबरदस्ती प्रसाद खिलाया। इसके बाद बड़ी बेटी प्रिया और मुस्कान को भी खिला दिया, फिर उसने खुद भी खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर हेमलाल की पत्नी जाह्नवी सास ससुर के पास पहुंची और पूरी बात बताई। इसके बाद परिजनों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हेमलाल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जाह्नवी, प्रिया और मुस्कान को निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार को बड़ी बेटी प्रिया ने भी दम तोड़ दिया।

व्यापारी अर्थव्यवस्था और वित्तीय शक्तियों की रीढ़ होते हैः धामी

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने काशीपुर, उधमसिंह नगर स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री ने प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यापारी राज्य एवं देश की अर्थव्यवस्था और वित्तीय शक्तियों की रीढ़ होने के साथ ही ब्रांड इंडिया के सच्चे राजदूत होते हैं। व्यापारी वर्ग के योगदान के बिना श्रेष्ठ उत्तराखण्ड निर्माण का हमारा संकल्प पूर्ण नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को अपनाकर भारत के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बीते 9 वर्षों में व्यापार, उद्यम, क्रिएटिविटी को साथ लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक नया विश्वास पैदा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में 'ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट' आयोजित कर देश-विदेश के साथ ही प्रदेश के व्यापारियों को निवेश के प्रति आकर्षित करने का प्रयास किया गया है। जिसमें 50 से अधिक देश के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में साढ़े तीन लाख करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू साइन हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं। राज्य में भ्रष्टाचार मुक्त व भयमुक्त परिवेश में व्यापारी वर्ग स्वयं को पहले से कहीं अधिक सुरक्षित महसूस कर रहा है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, अध्यक्ष उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड डॉ. अनिल कपूर डब्बू, बीजेपी जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, बीजेपी प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद जोहर व प्रमोद गोयल, प्रदेश संगठन मंत्री प्रवीण मेंदीरत्ता, नगर अध्यक्ष व्यापार मण्डल रुड़की अरविन्द कश्यप सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हथियारों सहित डांस करना पड़ा महंगा, भीम आर्मी का नेता व साथी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भीम आर्मी के एक नेता व एक अन्य व्यक्ति को दोस्त की शादी में बंदूक व पिस्टल सहित डांस करना महंगा पड़ गया। डांस पार्टी का वीडियों सोशल मीडिया में वायरल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस द्वारा बंदूक तो जब्त कर ली गयी है लेकिन पिस्टल के बारे में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों रुड़की क्षेत्रांतर्गत दोस्त की शादी में एक हाथ में पिस्टल और एक हाथ में बंदूक लेकर डांस करते हुए भीम आर्मी के नेता सोनू लाठी निवासी ढन्देरा कोतवाली रुड़की का वीडियो वायरल हो रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस द्वारा सोनू लाठी और लाइसेंस धारक व्यक्ति पुरूषोत्तम सिंह पुत्र मूला सिंह निवासी ढंढेरा के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा पंजीकृत कर उन्हे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा बंदूक जब्त कर पिस्टल के बारे में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जमीन के नाम पर ठगे 50 लाख रुपये मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 50 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भानियावाला निवासी गुंजन सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके भगवान सिंह पुत्र छित्तर सिंह निवासी वार्ड नं. कान्हरवाला भानियावाला, से नजदीकी पारिवारिक सम्बन्ध काफी समय से है भगवान सिंह द्वारा उससे कहा गया कि वह सम्पत्ति 06 बीघा स्थित कान्हरवाला तहसील डोईवाला का मालिक स्वामी है एवं उक्त सम्पत्ति उसकी पत्नी श्रीमती सन्तोष सैनी के नाम पर है और उससे उक्त भूमि को क्रय करने का प्रस्ताव रखा। उक्त भूमि की कीमत 95 लाख रूपये प्रति बीघा की दर से तय पाया गया। जिसके बाद उसने उसको पचास लाख रूपये अग्रीम देकर उसका एग्रीमेन्ट करा लिया। कुछ समय बाद भगवान सिंह ने उसको कहा कि वह एग्रीमेन्ट उसको वापस कर दे तथा उसके बदले वह उसको एक करोड रूपये के चैक दे देगा। उसने उसको एग्रीमेन्ट की मूल प्रति वापस कर दी तथा भगवान सिंह ने उसको चैक दे दिये। लेकिन जब उसने चैक बैंक में लगाये तो सारे चैक बाउंस हो गये। उसने जब इस विषय पर भगवान सिंह से बात की तो उसने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद उसको पता चला कि भगवान सिंह व उसकी पत्नी ने उसके साथ धोखाधडी की है।

सीएम धामी ने वरिष्ठ पत्राकार आरपी नैनवाल के निधन पर दुःख जताया

देहरादून (कासं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार आर.पी नैनवाल के आकस्मिक निधन पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार आर.पी नैनवाल के निधन पर दुःख व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की है।

कंटेनर से बैटरी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने कंटेनर से बैटरी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी विनीत कुमार ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना कंटेनर नदी के किनारे खाली प्लाट में खडा किया था लेकिन जब आज वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसके कंटेनर से बैटरी गायब थी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।